

संपादक

वंदना टेटे

संपादक मण्डल

प्रो. बंधु भगत (खड़िया), श्री धनुर सिंह पुरती  
(हो), डॉ. सिकारादास तिर्की (मुंदारी), डॉ. के.  
सी. टुड़ (संताली), डॉ. हरि ऊरांव (कुडुख),  
डॉ. करम चंद्र अहीर (पंचपरगनिया), गिरिधारी  
गोस्वामी (खोरठा), डॉ. वृद्धावन महतो  
(कडमालि), डॉ. कमारी वासंती (नागपरी)

संपादन सहयोग

डॉ. धनेश्वर मांझी/कष्ण मोहन सिंह मंडा

टाइपसेटिंग/सम्पादन

## आधार अल्टरनेटिव मीडिया (झारखंड)

कार्यालय सहयोग

## सलोमी एका/प्रीति रंजना डंगडंग

विशेष सहयोग

प्याग केरकेटरा फारण्डेशन रांची

संपादकीय संपर्क

तेलंगा खडिया भाषा एवं संस्कृति केन्द्र  
द्वारा प्यारा केरकेट्या फाउण्डेशन  
चेशायर होम रोड, बरियातु, रांची-834009  
दूरभाष : 09262975571, 09234678580,  
टेलीफैक्स : 0651-2201261  
ई-मेल : [toakhra@gmail.com](mailto:toakhra@gmail.com)  
वेब पता : [www.akhra.org.in](http://www.akhra.org.in)

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक वंदना टेरे  
द्वारा रोज केरकेट्या, चेशायर होम रोड, बरियातु,  
रांची-834009 झारखंड से प्रकाशित एवं झारखंड  
प्रेस, 76, चर्च रोड, रांची-834001 से मद्रित।

स्मृति अखण्डा

4. पेड़, पृष्ठी और हवा की तरह  
- ज्योति लकड़ा

5. हूल जोहार अभय खाखा  
- गंगा सहाय मीणा

**रचाव अखड़ा**

8. कुँडुख विवाह गीतों में अलंकार योजना  
- रेखा कुमारी

11. मुकुन्द नायक 'रसिक' व्यक्तित्व एवं कृतित्व  
- चिन्तामणि सांगा

15. आदिवासियों का धम्मकुड़िया  
- मनरखन राम किस्कु

18. मेरी पहचान...?  
- सुन्दर मनोज हेम्ब्रम

23. सजीला मोर  
- पंकज किस्कु

31. मुबाइल  
- देव हेम्ब्रम

38. माझी रामदास टुड़ू : एक संघर्षपूर्ण जीवनगाथा  
- श्याम चरण मुर्मू

44. ८८८०७८८ ८८८८८८८८ ८८८८८८८८ - गुरु चरण मुर्मू

कविता अखडा

- 55-58. अनुराधा मुंदू, प्रफुल्ला मिंज और एमलेन बोदरा की कविताएं

विविध अखडा

60. बिर-बिरु के गमछे में सार्वभौमिक आदिवासियों की कहानियाँ  
- डॉ. मेरी हांसदा

63. कोरोना लॉक डाउन का आदिवासियों पर प्रभाव  
- ज्योति लकड़ा



  
Teacher-in-charge  
THLH Mahavidyalay  
Madian, Mallarpur, Gonpur  
Birbhum, Pin-731216, W.B.



# ፳፻፲፭ ዓ.ም. ከስደድግኝነት ማመልከት

## ● गुरु चरण मुर्त्ति

संपर्क :  
वांदी, ग्वालतोड,  
पश्चिमी मिदनापुर (प.व.)  
मोबाइल : 08972371654

पश्चिम बंगाल के विरभूम जिले के टी. एच. एल. एच. महाविद्यालय में गुरु चरण मुर्मू संताली भाषा-साहित्य के प्राध्यापक हैं। साथ ही ये विद्यासागर विश्वविद्यालय से पीएच-डी. स्कॉलर हैं।

କେବଳ ମନ୍ତ୍ରୀ ଥିଲୁଛନ୍ତି— “ଏପେମାତର ଥ.କ୍ଷ. ୬୭୦୧ ଓ ଏପେମାତରାଗାମୀଙ୍କରୁ  
ହାତୁପ କି ପରି ଥିଲୁଛନ୍ତି ।”  
‘ଏପେମାତରାଗାମୀଙ୍କରୁ’ କିମି ଯାଇବାକୁ କଥିଲୁଛନ୍ତି.କି କାହାରୁଟିକଥା.  
ଯତନିର୍ମାଣ-ଥ.କ୍ଷ.କ୍ଷ.କ୍ଷ. (କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷ.କ୍ଷ.-ଉତ୍ତରିକ୍ଷାଙ୍କରି) । କଥିଲୁ ଏକରିତି ଥିଲୁଥିଲୁ  
ଏକରିତି ହାତୁପ-କ୍ଷ.କ୍ଷ.କ୍ଷ. (କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷ.କ୍ଷ.-ଉତ୍ତରିକ୍ଷାଙ୍କରି) କି କି ଯତନିର୍ମାଣ  
ଥିଲୁଛନ୍ତି । କଥିଲୁ କଥିଲୁ କଥିଲୁ କଥିଲୁ—

ଯଥିବ୍ରଦ୍ଧାତ୍ମକ-୨ ପଠିବ ଅବଧି - "An extraordinary development of imaginative sensibility." ୬

Աշակերտը թուման-2 ք.թ. Թիգրան Մանուկյան - "Romanticism has already passed into the realm of the unknowable." 6

ଓଡ଼ିଆ ଲେଖକ ପାତ୍ର-୨ ମହିନୀ - 'ଅପରିଜଣନୀୟ'  
ଦେଖିବାରେ ବିଶେଷ - "The addition of strangeness to beauty."<sup>5</sup>

ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ପଦବୀରେ ଏହାର ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିପାଳନା କରିବାର ପାଇଁ ଏହାର ପରିପାଳନା କରିବାର ପାଇଁ ଏହାର ପରିପାଳନା କରିବାର ପାଇଁ

ଅନ୍ତର୍ମାଣ ପରିମାଣ-ଯୁକ୍ତ ଉତ୍ତରାଧିକାରୀ ଓ ଦେଶପରିମାଣକାରୀଙ୍କୁ

ଦେଶ ପରିବାରର ମଧ୍ୟ କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର  
ଦେଶ ପରିବାରର ମଧ୍ୟ କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର

የዕለታዊ ሪፖርት የሚያስፈልግ ነው - 'የዕለታዊ ሪፖርት የሚያስፈልግ ነው'

ቃዕስ የዚህ ማዣያ-2 የዚህ በሸያት - እንደሚከተሉበት  
ቃዕስ የዚህ ማዣያ-2 የዚህ በሸያት - "The return to nature."ይ

